परिवार में मिले संस्कारों से निकली भाषा ही मातृभाषा : पांडे

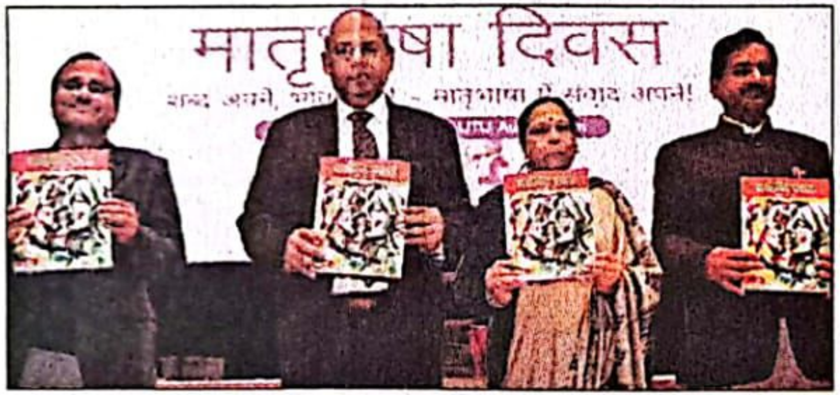

मातृभाषा दिवस पर पत्रिका का विमोचन करते अतिथि।

देहरादून (एसएनबी)। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) परिसर में भी अन्तरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति उत्तराखंड संस्कृत विवि डा. सुधा रानी पांडे ने कहा कि शब्द रूपी ज्योति ही इस संसार को प्रकाशित करती है। परिवार में मिले संस्कारों से निकली भाषा ही मातृ भाषा है। उन्होंने कहा कि वाणी एक कामधेनु की भांति है। उन्होंने कहा कि कलम के अस्तित्व को भी बचाये रखने की जरूरत है हालांकि मशीन के प्रयोग मात्र से विकास भी संभव नहीं है अपितु मनुष्यता को बचाने के लिए भाषा और संस्कृति को भी बचाना जरूरी है। इसी वजह से यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी को इस विशेष दिन के रूप में मनाने की परंपरा शुरू की गई जिसे यूनेस्को द्वारा आधिकारिक मान्यता मिली है। डीएवी पीजी कालेज में संस्कृत विभाग के प्रोफेसर डा. राम विनय सिंह ने कहा कि मातृ भाषा को बचाने के लिए हमें अपने संस्कारों को भी बचाना होगा।

विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम होती है, बल्कि संस्कृति और सभ्यता का भी आइना होती है। भले ही दुनिया में विभिन्न जातियों, धर्मों सम्प्रदायों और स्थानों पर अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हों लेकिन इन सब के बावजूद भी भाषा ही वह सूत्र है जो मानव सभ्यता को एकता के साथ जोड़े रखती है। उन्होंने छात्रों को सशक्त संवाद क्षमता पैदा करने के लिए मातृभाषा हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में प्रवीणता पैदा करने का आह्वान किया। मंजू काला ने भी पहाड़ की भाषा व संस्कृति को बचाये रखने पर विचार रखे। मुख्य अतिथि ने 'नवोदित प्रवाह' पत्रिका के वार्षिक अंक का भी विमोचन किया। इस दौरान छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और वाद-विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

इस मौके पर विवि के परीक्षा नियंत्रक डा. विनय कुमार पटेल, प्रो. मनोज कुमार पांडा निदेशक महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, पत्रिका के संपादक रजनीश त्रिवेदी, डा. विशाल रमोला, कोनिका मुखर्जी आदि रहे।

डीएवी कालेज में मनाया विश्व मातृभाषा दिवस

देहरादून (एसएनबी)। डीएवी पीजी कालेज में शुक्रवार को हिंदी विभाग ने विश्व रंग भोपाल के सौजन्य से विश्व मातृभाषा दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. इंद्रजीत सिंह ने विश्व रंग अंतर्राष्ट्रीय पोस्टर का भी लोकार्पण किया गया। उनको उत्तराखंड में विश्व रंग भोपाल के द्वारा भारतीय संस्कृति को एक नया आयाम प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गयी। विश्व रंग के संस्थापक एवं टैगोर यूनिवर्सिटी भोपाल के कुलपति संतोष चौबे और जवाहर कर्णावट निदेशक टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र रवींद्रनाथ टैगोर विवि भोपाल ने बताया कि विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 14 सितंबर से 20 सितंबर तक भारत सहित विश्व के 50 देश में मनाया जाएगा। इसमें पीजी कालेज देहरादून को भी प्रतियोगिता का केंद्र बनाया गया है। इसके तहत छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहन के लिए एक करोड़ के इनाम दिए जाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग की विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर राखी उपाध्याय के सहयोग और संरक्षण में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डा. निशा वालिया ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य सुनील कुमार, प्रो. प्रशांत सिंह, प्रो. रमेश शर्मा, प्रो. गुंजन पुरोहित, प्रो. राजेश पाल, डा. रोशन प्रसाद एवं हिंदी विभाग के छात्र-छात्राएं भारत स्काउट गाइड के रेंजर रोवर मौजूद थे।

मातृभाषा के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर

देहरादून। श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय में सामाजिक एवं मानविकी विज्ञान संकाय ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस उत्साह के साथ मनाया। हिंदी विभाग ने अंतराष्ट्रीय मातृभाषा के उपलक्ष्य में अनेकता विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामाजिक एवं मानविकी विज्ञान संकाय की डीन प्रो. प्रीति तिवारी ने किया। उन्होंने मातृभाषा के महत्व और इसके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट मंच है जहां वे अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रतियोगिता में पूनम ने प्रथम, पूर्णिमा ने द्वितीय और शेफाली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रो. गीता रावत ने कहा कि इस प्रतियोगिता में छात्रों ने जिस उत्साह और लगन के साथ भाग लिया है, वह सराहनीय है। कार्यक्रम की समन्वयक हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डा. कल्पना थपलियाल व अंजलि डबराल ने बताया कि मातृभाषा न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत है, बल्कि शिक्षा और अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। इस मौके पर सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।